C/2023 A3 (त्सुचिनशान-एटलस)

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में खगोलविदों ने पृथ्वी से एक अरब किलोमीटर दूर बृहस्पति और शनि की कक्षाओं के बीच एक ऐसे धूमकेतु की खोज की है जो आगामी वर्ष तक सपष्टता से देखा जा सकेगा।

धूमकेतु C/2023 A3 (त्सुचिनशान-एटलस) के बारे में

- प्रत्येक वर्ष दर्जन नए धूमकेतु खोजे जाते हैं, परंतु हाल ही में खोजा गया धूमकेतु नग्न आँखों से देख पाएंगे।
- यह सौर मंडल के माध्यम से धूमकेतु के पथ के संयोजन और इसके नाभिक के संभावित आकार - ठोस केंद्र के संयोजन के लिए जाने जाते हैं।

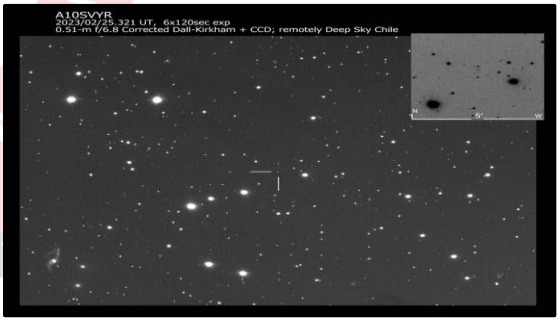

- जैसे ही धूमकेतु सूर्य के करीब आते हैं, वे गर्म हो जाते हैं और उनकी सतह ठोस से गैस में बदल जाती है।
- धूमकेतु की सतह से फूटकर, यह गैस धूल के कणों में बदलती रहती है जो नाभिक को कोमा(गैस और धूल का एक विशाल बादल) में ढक लेती है ।
- **स्काई एट नाइट मैग्जीन** के अनुसार, यह धूमकेतु आगामी वर्ष सूरज के सबसे निकट होगा, जिसे पेरिहीलियन पॉइंट कहते हैं।
- पेरिहीलियन ऐसे बिंदु को कहते हैं, जब कोई खगोलीय पिंड या वस्तु सूरज के अनुमान बिंदु पर पहुंच जाता है।

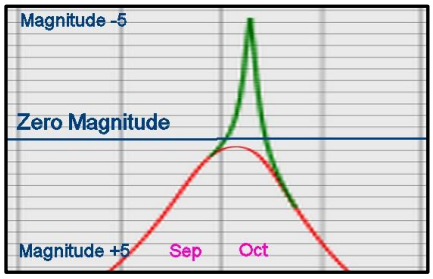

- यह धूमकेतु सूर्य के पास बहुत चमकीला होगा और इसका मेग्नीट्यूड 7.0 होगा।
- इस धूमकेतु की खोज एस्ट्रॉयड टेरेस्ट्रियल अल लास्ट अलर्ट सिस्टम (ATLAS) ने की है जो कि दक्षिण अफ्रीका में रिमोटस्कोप है। इसे फरवरी, 2023 में खोजा गया था।

- चीन स्थित पर्पल माउंटेन ऑब्जर्वेटरी पर भी वैज्ञानिकों ने इसे जनवरी, 2023 में देखा था, जिसके कारण इसके नाम के साथ 'सुचिनशान' शब्द भी जोड़ा गया है।
- अक्टूबर, 2024 में जब यह धरती और सूरज के बीच से गुजरेगा इसके पीछे एक लंबी रेखा यानी पूंछ बनने की भी संभावना बताई गई है।

स्त्रोत- द हिन्दू

G -20 का पहली सस्टेनेबल फाइनेंशियल वर्किंग ग्रुप (SFWG)

चर्चा में क्यों ?

- गुवाहाटी में , पहले सस्टेनेबल फाइनेंशियल वर्किंग ग्रुप (SFWG) की बैठक के आयोजन की घोषणा की गयी
- **मुख्य उद्देश्य**- AI का प्रयोग कर नीली अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना।

सुप्रीम ऑडिट इंस्टीट्यूशंस-20 (SAI20)

- SAI20 प्रतिनिधियों की बैठक 13 से 15 मार्च, 2023 तक गुवाहाटी में होगी।
- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (C&AG) भारत के G-20 प्रेसीडेंसी के तहत सुप्रीम ऑडिट इंस्टीट्यूशंस -20 (SAI20) एंगेजमेंट ग्रुप के अध्यक्ष हैं।
- SAI20 एंगेजमेंट ग्रुप दो प्राथमिकता वाले क्षेत्रों - ब्लू इकोनॉमी और रिस्पॉन्सिबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर विचार-विमर्श करेगा।
- G-20 सदस्य देशों, अतिथि देशों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि SAI20 कार्यक्रम में भाग लेंगे। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, मिस्र, इंडोनेशिया, ओमान, कोरिया गणराज्य, रूस, सऊदी अरब, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात के AI व्यक्तिगत रूप से भाग लेंगे।

- G20, वसुधैव कुटुम्बकम यानी "एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य" की भारत की अध्यक्षता के लिए मार्गदर्शक दर्शन के तहत, भारत के C&AG ने दो प्राथमिकता वाले क्षेत्रों - ब्लू इकोनॉमी और रिस्पॉन्सिबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर SAI20 एंगेजमेंट ग्रुप के सहयोग का प्रस्ताव दिया था।

KARMANYEVADHIKARASTE MAA PHALESHU KADACHAN THE STUDY An Institute for IAS

- ब्लू इकोनॉमी हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को संरक्षित करते हुए आर्थिक विकास, बेहतर आजीविका और नौकरियों के लिए समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग है। रिस्पॉन्सिबल एआई एक गवर्नेंस फ्रेमवर्क है, जिसका उद्देश्य है कि किस डेटा को एकत्र और उपयोग किया जा सकता है।

गुवाहाटी ही क्यों ?

- गुवाहाटी, जिसे पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में जाना जाता है, प्रमुख सांस्कृतिक, राजनीतिक, शैक्षिक और वाणिज्यिक केंद्र है।
- यह अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपरा, त्यौहारों, व्यंजनों, लोगों और अपने महानगरीय प्रकृति के उत्सव के लिए जाना जाता है।

स्त्रोत-द हिन्दू

अल्बाट्रॉस

चर्चा में क्यों?

- दुनिया के सबसे लंबे पंखों वाले पक्षी का अपने साथी के प्रति प्रेम, मानव समाज के लिए एक सन्देश का कार्य कर कर रहा है।

अल्बाट्रॉस के बारे में

- साढ़े तीन मीटर तक के पंखों वाला अल्बाट्रॉस पृथ्वी पर सबसे बड़े समुद्री पक्षियों में से एक है।
- अल्बाट्रॉस अपने उत्कृष्ट उड़ान कौशल के साथ-साथ टेक-ऑफ और लैंडिंग में होने वाली कठिनाई के लिए जाने जाते हैं। वे अपने पंखों को एक बार भी फड़फड़ाए बिना मीलों तक उड़ सकते हैं।

- प्रत्येक दो वर्ष में, दक्षिणी गोलार्ध की गर्मियों के दौरान, समुद्री पक्षी साथी के साथ प्रजनन करने के लिए भूमि पर लौट आते हैं।
- घुमंतू अल्बाट्रॉस के अंडे से बच्चे निकलने में काफी समय लग जाता है। 78 दिनों की ऊष्मायन अवधि के दौरान दोनों माता-पिता भोजन या पानी के बिना घोंसला बनाते हैं।
- ये समुद्री पक्षी 12 दिनों में औसतन एक बार स्थानों का आदान-प्रदान करते हैं, लेकिन यह समय 30 दिन तक लंबा हो सकता है। चूंकि उनका जीवनकाल लगभग 50 वर्ष है, वृद्ध पक्षी भुखमरी की लम्बी अवधि से निपटने के लिए संघर्ष करते हैं।
- एक अध्ययन के अनुसार, यह समुद्री पक्षी अपना घोंसला छोड़ने वाला पक्षी आने वाले साथी के स्वास्थ्य का मूल्यांकन करता है और यह तय करता है कि वह समुद्र में कितना समय व्यतीत कर सकता है। उनके दीर्घकालिक

THE STUDY
An Institute for IAS

संबंध शायद पहले से ही अल्बाट्रॉस को उनके साथी की सीमाओं के बारे में सूचित करते हैं। यह क्षमता उनकी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को दर्शाती है

स्त्रोत – द हिन्दू

समलैंगिक विवाह

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा समलैंगिक विवाहों को वैध बनाने पर SC की सुनवाई से पूर्व समलैंगिक विवाह का विरोध किया गया क्योंकि सरकार के अनुसार समलैंगिक संबंध और विषमलैंगिक संबंध स्पष्ट रूप से अलग-अलग वर्ग हैं जिन्हें एक समान नहीं माना जा सकता है।

सरकार का तर्क

- सरकार के अनुसार, विवाह को "वैधानिक, धार्मिक और सामाजिक रूप से" एक पुरुष और एक महिला के बीच एक बंधन के रूप में मान्यता दी गई थी।
- केंद्र के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा- 377 के डिक्रिमिनलाइजेशन के बावजूद, याचिकाकर्त्ता "देश के कानूनों के तहत समलैंगिक विवाह के मौलिक अधिकार का दावा नहीं कर सकते हैं"।
- समान-लैंगिक संबंध और विषमलैंगिक संबंध स्पष्ट रूप से अलग-अलग वर्ग हैं जिन्हें समान रूप से एक नहीं माना जा सकता है।
- IPC 377– "जो कोई किसी पुरुष, स्त्री या जीव-जन्तु के साथ प्रकृति की व्यवस्था के विरुद्ध शारीरिक सम्बन्ध स्थापित करेगा, वह आजीवन कारावास या दस वर्ष की अवधि तक दण्डित किया जा सकता है।

भारत में समलैंगिक विवाह पर सुप्रीम कोर्ट की भूमिका

- 2014 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने गैर-बाइनरी या ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को "तीसरे लिंग" के रूप में कानूनी मान्यता दी थी।
- 2017 में, इसने निजता के अधिकार को मजबूत किया और यौन अभिविन्यास को किसी व्यक्ति की निजता एवं गरिमा के एक अनिवार्य गुण के रूप में मान्यता दी।
- 2018 में, इसने समलैंगिक यौन संबंध को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया और LGBTQ लोगों के लिए संवैधानिक अधिकारों का विस्तार किया।
- 2022 में, शीर्ष अदालत ने "असामान्य" परिवारों के लिए सुरक्षा की स्थापना की, जिसके अनुसार यह एक व्यापक श्रेणी है, जिसमें शामिल हैं-एकल माता-पिता, मिश्रित परिवार या रिश्तेदारी संबंध और समान-लिंग वाले जोड़े।

विदेशी स्थिति

- 2022 के अंत तक, दुनिया भर के 30 देशों में समलैंगिक विवाह की संस्था कानूनी थी। हालाँकि, ये ज्यादातर पश्चिमी यूरोप और अमेरिका के देश हैं।
- एशिया में केवल ताइवान समलैंगिक विवाह की अनुमति देता है।
- हर स्थान पर एशियाई डायस्पोरा के भीतर समान सेक्स विवाह का दृष्टिकोण विवादित है।
- हांगकांग अपने देश में समलैंगिक विवाह की अनुमति नहीं देता है, लेकिन प्रवासी श्रमिकों के समलैंगिक पति-पत्नी को आश्रित वीजा प्रदान करता है।

प्रतिबंधात्मक देश हैं:

- इंडोनेशिया, जो समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं देता है, के द्वारा हाल ही में सभी विवाहेतर यौन संबंधों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।
- सिंगापुर की संसद ने पुरुषों के बीच सेक्स पर लगे प्रतिबंध को हटाते हुए एक कानून पारित किया है, लेकिन वैवाहिक समानता की ओर एक रास्ता अवरुद्ध कर दिया है।
- यदि भारत की अदालत समलैंगिक विवाह को मंजूरी देती है, तो देश LGBTQ जोड़ों के लिए ऐसे अधिकारों वाले सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में जाना जायेगा।

स्रोत-पीटीआई

SWAMIH निवेश कोष

चर्चा में क्यों?

- SWAMIH ने लगभग 130 परियोजनाओं को 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी के साथ अंतिम स्वीकृति प्रदान की है।

स्वामी फंड के बारे में

- अफोर्डेबल एंड मिड-इनकम हाउसिंग (SWAMIH) इन्वेस्टमेंट फंड के लिए विशेष विंडो, एक सामाजिक प्रभाव फंड है जो विशेष रूप से तनावग्रस्त और रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है।
- इसकी स्थापना 2019 में की गयी थी।
- यह कोष भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है और इसका प्रबंधन स्टेट बैंक समूह की कंपनी SBICAP Ventures Ltd. द्वारा किया जाता है।

- यह फंड पहली बार के डेवलपर्स, मुश्किल परियोजनाओं वाले स्थापित डेवलपर्स, रुकी हुई परियोजनाओं के खराब ट्रैक रिकॉर्ड वाले डेवलपर्स, ग्राहकों की शिकायतों और एनपीए खातों तथा यहां तक कि उन परियोजनाओं पर भी विचार करता है जहाँ मुकदमेबाजी की समस्या है।
- इसे संकटग्रस्त परियोजनाओं के लिए अंतिम उपाय का ऋणदाता माना जाता है।

स्रोत – इंडियन एक्सप्रेस

KARMANYEVADHIKARASTE
THE STUDY
MAA PHALESHU KADAACHAN
An Institute for IAS